विनोद ।

जिस में

शिक्षापूर्ण मनोरंजक आख्यायिकाएँ

कुंवर हनुमन्त सिंह रघुवंशी
व
पण्डित पन्नालाल शर्म्मा लिखित
संग्रहीत हैं ।

कुंवर हनुमन्त सिंह रघुवंशी द्वारा
राजपूत ऐंग्लो-ओरियण्टल प्रेस, आगरा में
मुद्रित और प्रकाशित ।

प्रथमावृत्ति] [मूल्य ।~)